Total No. of Questions - 10] [Total Pages : 3

(2081)

8938

P.G. Diploma in Deen Dayal Upadhyaya
Thought Examination

INTEGRAL HUMANISM AND ECONOMIC THOUGHT OF DEEN DAYAL UPADHYAYA

Paper–III

(Semester-I)

Time : Three Hours] [Maximum Marks : 100

The candidates shall limit their answers precisely within the answer-book (40 pages) issued to them and no supplementary/ continuation sheet will be issued.

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

Note: Attempt any *five* questions. All questions carry equal marks.

नोट : किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Enumeate Deen Dayal's concept of Arthayam and relate it to Dharma.

दीनदयाल जी के अर्थयाम पर विचार प्रस्तुत करें और उसे धर्म के साथ जोड़िए।

2. "Swadeshi and decentralisation are the *two* ingredients of Deen Dayal's economic philosophy". Analyse.

"स्वदेशी एवं विकेन्द्रीकरण दीनदयाल जी की दर्शन के दो आर्थिक उपादान हैं।"– आलोचना करें।

3. Did Deen Dayal dwell an any "ism" ? How he perceived it ?

दीनदयाल जी किसी 'वाद' से बंधे रहना नहीं चाहते थे? उसे वे किस प्रकार देखते थे?

4. Present an essay on Deen Dayal's economic philosophy.

दीनदयाल जी के आर्थिक दर्शन पर एक निबंध प्रस्तुत करें।

5. Relate the economic idea of Deen Dayal with his concept of Integral Humanism.

दीन दयाल जी के एकात्म मानववाद के साथ उनके आर्थिक चिंतन को जोड़ें।

6. How Deen Dayal was critical to the economic agenda of his time ?

दीन दयाल जी तत्कालीन आर्थिक कार्यक्रमों के प्रति कैसे समालोचक थे?

7. How Deen Dayal differed from western model of economic development ?

पाश्चात्य आर्थिक विकास के स्वरूप से दीन दयाल जी के विचार कैसे भिन्न थे?

8. "Deen Dayal was heir to Gandhian concept of Swaraj". Explain.

"दीन दयाल जी गांधीवादी स्वराज विचारधारा के उत्तराधिकारी थे।" स्पष्ट कीजिए।

9. Analyse Deen Dayal's view on agriculture and industry.

कृषि एवं उद्योग पर दीनदयाल जी के दृष्टिकोण लिखिए।

10. Analyse Deen Dayal's idea on full employment and economic policy.

पूर्ण रोजगार और आर्थिक नीति पर दीन दयाल जी के विचार लिखिए।